बिहार सरकार

ग्रामीण विकास विभाग

पत्रांक 151724 / पटना, दिनांक- 12-06-2013

ग्रा0वि0-04(पटना)रोहतास-03/2009

प्रेषक,

अमृत लाल मीणा,
सचिव।

सेवा में,

जिला पदाधिकारी,
सासाराम (रोहतास)/कैमूर (भभुआ)।

विषय :- परियोजना निदेशक, डी.पी.ए.पी. के जाँच प्रतिवेदन पर आवश्यक कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में विभागीय पत्रांक- 9307 दिनांक-16.10.09 (प्रति संलग्न) एवं स्मार पत्रांक 14221 दिनांक-20.12.10 तथा 149274 दिनांक-22.05.2013 का कृपया स्मरण करना चाहेंगे।

उक्त पत्रों के द्वारा सासाराम (रोहतास)/ कैमूर (भभुआ) जिला के हरियाली योजनाओं में किये गये व्यय एवं कार्य प्रणाली की जाँच पदाधिकारियों की एक समिति बनाकर कराने, हरियाली योजना के सफल क्रियान्वयन में अवरोध उत्पन्न करने से संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने, अनियमित व्यय एवं गबन की वसूली की कार्रवाई करने तथा परियोजना निदेशक (डी.पी.ए.पी.), ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन के अंतिम भाग के बिन्दु 2 से 3 पर एक प्रतिवेदन भेजने का अनुरोध किया गया था। किन्तु इतने लम्बे समय के बावजूद भी वांछित प्रतिवेदन तथा कृत कार्रवाई की सूचना इस विभाग को अब तक अप्राप्त है। यह अत्यन्त ही खेद का विषय है।

अतः अनुरोध है कि विषयांकित मामलों में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ वांछित प्रतिवेदन तथा कृत कार्रवाई की सूचना इस विभाग को निश्चित रूप से अतिशीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें।

अनुलग्नक- यथोक्त।

10/6/13

विश्वासभाजन,

10/6

(अमृत लाल मीणा)
सचिव।

(31)

<u>बिहार सरकार</u>

<u>ग्रामीण विकास विभाग</u>

पत्रांक 9307 /पटना, दिनांक- 16/10/09

ग्रा0वि0-04(पटना)रोह0-03/09

प्रेषक,

अजय कुमार सिन्हा,
सरकार के उप सचिव

सेवा में,

जिला पदाधिकारी,
सासाराम (रोहतास)/कैमूर (भभुआ) ।

विषय :- **परियोजना निदेशक, डी.पी.ए.पी. के जांच प्रतिवेदन पर आवश्यक कार्रवाई के संबंध में ।**

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि दिनांक- 18.07.09 को अपराह्न में माननीय मंत्री महोदय के अध्यक्षता में भभुआ एवं रोहतास जिला के विकास कार्यों की समीक्षा परियोजना निदेशक, डी.पी.ए.पी., योजना पदाधिकारी (मु0)-सह- विशेष कार्य पदाधिकारी, मंत्री ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना, उप विकास आयुक्त एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ की गई ।

उक्त क्रम में समीक्षा की गई कि रोहतास जिला के चेनारी एवं नौहट्टा के डी.पी.ए.पी. योजना के विकास हेतु पूर्व से कुल 241.99 लाख रूपये के विरूद्ध खर्च 188.18 लाख रूपये दिखाया गया । वर्ष 2009-10 में उपलब्ध 53.810 लाख रूपये में से आजतक कोई राशि डी.पी.ए.पी. योजना में खर्च नहीं की गई है । रोहतास जिला के ही शिवसागर, करगहर एवं रोहतास के आई.डब्लू.डी.पी. परियोजना के विकास हेतु वर्ष 2009-10 में क्रमशः 7.400 लाख, 9.170 लाख एवं 8.690 लाख की राशि उपलब्ध रहने के उपरांत भी विकास हेतु कोई राशि खर्च नहीं की गई ।

कैमूर जिला के अधौरा, भभुआ, भगवानपुर चांद एवं रामगढ़ के डी.पी.ए.पी. योजना के विकास हेतु प्राप्त कुल 746.02 लाख रूपये के विरूद्ध 562.504 लाख रूपये खर्च किया गया । वर्ष 2009-10 में 192.16 लाख रूपये में से मात्र 9.10 लाख रूपये खर्च किया गया है जिसका भौतिक उपलब्धी नही दर्शाया गया है । कैमूर जिला के ही दुर्गावती (1) एवं दुर्गावती (2) के आई.डब्लू.डी.पी. योजना के विकास के लिए वर्ष 2009-10 में क्रमशः 4.380 लाख एवं 44.600 लाख उपलबध रहने के उपरांत भी विकास में कुछ भी राशि खर्च नहीं किया जा सका है ।

अतः अनुरोध है कि उक्त के आलोक में सासाराम (रोहतास)/कैमूर (भभुआ) जिला के हरियाली योजना एवं डी.पी.ए.पी. योजना के विकास हेतु उपलब्ध करायी गई राशि से की गई व्यय एवं कार्य प्रणाली की जांच पदाधिकारियों की एक समिति बनाकर कराने की कृपा की जाय । साथ ही योजना को क्रियान्वयन विफल करने के लिये उत्तरदायी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई तथा वांछित भौतिक प्रतिवेदन नहीं समर्पित करने के आधार पर अनियमित व्यय एवं दुर्विनियोग की राशि की वसूली की कार्रवाई संबंधित प्रतिवेदन अपने मंतव्य सहित इस विभाग को उपलब्ध कराने की कृपा की जाय ।

विश्वासभाजन,
14.10.09
(अजय कुमार सिन्हा)
सरकार के उप सचिव

Application -800